राहत टाइम्स

लखनऊ, रविवार 26 अक्तूबर 2008

नई शिक्षण पद्धतियों पर गहन विचार किया शिक्षाविदों ने

लखनऊ, 25 अक्टूबर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड ऑडिटोरियम में चल रहे तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय राउण्डटेबल शैक्षिक सम्मेलन एड लीडरशिप-2008 में प्रतिभाग हेतु पाकिस्तान हेन्तु पाकिस्तान, उजवेकिस्तान, अजरबेजान, यू.ए.ई., कम्बोडिया, नेपाल एवं भारत क विभिन्न प्रान्तों से पधारे प्रख्यात शिक्षाविदों ने अनेक विषयों पर उच्चस्तरीय विचार प्रस्तुत करते हुये नई शिक्षण पद्धतियों पर व्यापक विचार किया। एड लीडरशिप-2008 के दूसरे दिन आज देश-विदेश के प्रख्यात शिक्षाविदों ने कार्यशालाओं व सेमिनार में प्रतिभाग करते हुए शिक्षकों को नई प्रणाली से शिक्षा देने के तरीके सुझाए। इन शिक्षाविदों की आम राय थी कि इक्कीसवीं सदीं में सभी देशों को शिक्षा का एक ऐसा प्रारूप तैयार करना चाहिए जो वर्तमान में होने वाली छात्र समस्याओं को वैज्ञानिक पद्धति से सुलझा सकें व छात्रों में ऐसे गुण उत्पन्न करें कि वे आगे आने वाली चुनौतियों का बहादुरी से सफलतापूर्वक सामना कर सकें। इसके लिए यह जरूरी है कि उनका दृष्टिकोण विश वव्यापी हो, सोच वैज्ञानिक हो और उनमें मानव जाति की उत्थान की भावना हो।

इससे पहले आज दूसरे दिन का उदघाटन मुख्य अतिथि आर.के.मित्तल वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी ने ज्ञान का दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर देश-विदेश के प्रख्यात शिक्षाविदों व विशेषज्ञों को सम्बोधित करते हुये मित्तल ने कहा कि आज का विद्यार्थी हर चीज विज्ञान की कसौटी पर कस कर देखना चाहता है। हमें छात्रों में ऊभर कर सामने आयेगे। मित्तल ने सी.एम.एस. की संस्थापिका डा. भारती गांधी एवं सिटी इण्टरनेशनल स्कूलकी संस्थापिका सुनीता गांधी के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय राजण्डटेबल कान्फ्रेन्स की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सम्मेलन के दूसरे दिन का शुभारम्भ सी.एम.एस. राजाजीपुरम के छात्रों द्वारा प्रस्तुत सर्वधर्म व विश्व शान्ति प्रार्थना से हुआ। इसके उपरान्त इंग्लैण्ड से पधारे शिक्षाविद एन्डी हार्वे, डि. हेड, हाउन्सलो लैग्वेज एजूकेशनल सर्विसस, इन्चायर्ज ई.ए.एल. ट्रेनिंग यू.के. डी.लोफस, इन्चार्ज ई.ए.एल. ट्रेनिंग यू.के., एवं ली येन फ्रेन्च ने अंग्रेजी एक अतिरिक्त भाषा पर अपने सारगर्भितपर अपने सारगर्भित विचार रखें। इसके अलावा काउन्सिल फॉर ग्लोबल ऐजुकेशन के सह-संस्थापक डा. राबर्ट जे.साण्डर्स व डा. सुनीता गांधी ने छात्रों को डिसीजन मेकर्स बनाने के तौर तरीकों पर सारगर्भित विचार रखे व उपस्थित शिक्षकों के साथ गहन चर्चा-परिचर्चा की। अपरान्हः सत्र में सी.एम.एस. के संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद जगदीश गांधी ने शिक्षा द्वारा एक नये भविष्य के निर्माण पर एक सारगर्भित संभाषण दिया। जिसमें उन्होने शिक्षा के उददेश्यों महत्व आध्यात्मिक ज्ञान, विश्वव्यापी, ज्ञान, सेवा भाव शिक्षा में बदलाव लाने के तरीके इत्यादि पर प्रकाश डाला। इसके अलावा देश-विदेश से पधारे अनेक शिक्षाविदों के अनेक पहलुओं पर अपने सारगर्भित विचार प्रकट किए। सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि कल 23 अक्टूबर को इस अन्तर्राष्ट्रीय राउण्डटेबल शैक्षिक सम्मेलन का भव्य उदघाटन ए.के.मिश्रा , आई.ए.एस., प्रमुख सचिव, माध्यमिक, शिक्षा उत्तर प्रदेश ने किया था। शर्मा ने बताया कि एड लीडरशिप-2008 का कल आखिरी दिन होगा किन्तु इससे पूर्व चर्चा-परिचर्चा का असर अनवरत रहेगा और जो शिक्षाजगत में एक नई क्रान्ति का सूत्रपात होगा।

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

मानवीय शिक्षा के बिना शिक्षा अधूरी

लखनऊ, 25 अक्टूबर (ऐसं)। सीएमएस कानपुर रोड ऑडिटोरियम में चल रहे तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विभिन्न कार्यशालाओं में देश-विदेश से जुटे प्रख्यात शिक्षाविदों ने अपने शैक्षिक अनुभवों से आयोजन को गरिमा प्रदान की। विभिन्न विषयों पर परिचर्चा भी इस दौरान हुई। शिक्षाविदों ने कहा कि मानवीय शिक्षा के बिना शिक्षा अधूरी है।

इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय राउंडटेबल शैक्षिक सम्मेलन एड लीडरशिप-2008 में इंग्लैण्ड, अमेरिका, शारजहां, पाकिस्तान, उजबेकिस्तान, अजरबेजान, यूएई, कम्बोडिया, नेपाल एवं भारत के 17 प्रांतों से पधारे लगभग 250 से अधिक प्रख्यात शिक्षाविद, प्रधानाचार्या, शिक्षक व शिक्षा जगत से जुड़े विद्वान वर्तमान शिक्षा की दशा व दिशा पर गहन विचार मंथन कर रहे हैं। नवीन प्रणालियों, छात्रों की समस्याओं, उनके समाधान व पढ़ाने की नई प्रणालियों पर विस्तार से चर्चा भी इस दौरान हो रही है।

इससे पहले आज तीसरे दिन का उद्घाटन मुख्य अतिथि वरिष्ठ आईएएस वीएन गर्ग ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर गर्ग ने देश विदेश से पधारे शिक्षाविदों का आह्वान किया कि शिक्षा व शिक्षक ही विश्व का कल्याण कर सकते हैं अतः समय रहते पूरे मनोबल व उत्साह से मानवता की शिक्षा पर बल देते हुए छात्रों में प्रेम, शांति व एकता की शिक्षा फैलाए।

• एड लीडरशिप-2008 का आयोजन

प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. राबर्ट जे. साण्डर्स, अमेरिका, एन्डी हार्वे, इंग्लैण्ड, डी लोफस, ली येन फ्रेंच एवं सम्मेलन की संयोजिका डॉ. सुनीता गांधी ने शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यशाला में हैंडम ऑफ मैथमेटिक्स, इंटरएक्टिव टीचिंग मेथड्स, समूह कार्य, छात्रों का व्यवहार, प्रत्येक बालक पर ध्यान देना, छात्रों में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना इत्यादि विषयों पर सारगर्भित चर्चा की। इसके अलावा कार्यशाला की विशेष चर्चा इनोवेशन क्या है और इसे पढ़ाई में कैसे शामिल किया जाए विषय पर विशेषज्ञों एवं शिक्षकों के बीच गहन चर्चा हुई।

शिक्षाविदों ने कहा कि यह आवश्यक नहीं है कि विचार बिल्कुल नया हो। पुराने विचार को भी हम नए तरीके से अपनाकर मानव जाति की भलाई के लिए उपयोग में ला सकते हैं। इस तरह के सुधार के लिए हमें नीतियों के परिवर्तन का इंतजार नहीं करना चाहिए बल्कि खुद को बदलना चाहिए। सायं सत्र में डॉ. सुनीता गांधी, डॉ. राबर्ट सॉन्डर्स एवं इनोवेशन विंग की विभागाध्यक्ष सुष्मिता बासु ने सफलता की नई परिभाषा और शिक्षा पर उसका प्रभाव विषय पर विशेष व्याख्यान देते हुए कहा कि सफलता महज एक परीक्षाफल से नहीं आंकी जा सकती है। यह तो जीवन निरंतर प्रयास द्वारा उत्कृष्टता से अपनी पहचान बनाती है।

راشٹریہ سہارا

26 اکتوبر 2008 اتوار

لکھنؤ:- سٹی مانٹیسری اسکول کانپور روڈ آڈیٹوریم میں بین الاقوامی راؤنڈ ٹیبل تعلیمی کانفرنس کے آخری دن پروگرام کا شمع جلا کر افتتاح کرتے ہوئے مہمان خصوصی آئی اے ایس افسر وی این گرگ اور دیگر معززین۔

राष्ट्रीय सहारा

एड लीडरशिप सम्मेलन

लखनऊ। सिटी मांटेसरी स्कूल कानपुर रोड आडिटोरियम में चल रहे तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय राउण्डटेबल शैक्षिक सम्मेलन एड लीडरशिप-2008 के प्रख्यात शिक्षाविदों की आम राय रही कि मानवीय शिक्षा के बिना सारी शिक्षा अधूरी है। शिक्षाविदों ने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि हमारा अतीत क्या रहा है बल्कि अहम बात यह है कि आज के दौर में शैक्षिक क्षेत्र में हम किस ओर अग्रसर हैं। आज तीसरे दिन का उद्घाटन मुख्य अतिथि आईएएस बीएन गर्ग ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

लखनऊ, रविवार 26 अक्टूबर 2008

स्वतंत्र चेतना

शिक्षाविदों की राय 'मानवीय शिक्षा' के बिना शिक्षा अधूरी

लखनऊ, 25 अक्टूबर। सिटी मोन्टेसरी स्कूल कानपुर रोड ऑडिटोरियम में चल रहे तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय राउण्डटेबल शैक्षिक सम्मेलन एड लीडरशिप-2008 का तीसरा दिन बेहद दिलचस्प रहा। आज आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं में देश-विदेश से जुटे प्रख्यात शिक्षाविदों ने अपने शैक्षिक अनुभवों का भरपूर खजाना लुटाया और विभिन्न विषयों पर जमकर चर्चा-परिचर्चा की। प्रख्यात शिक्षाविदों की आम राय रही कि मानवीय शिक्षा के बिना सारी शिक्षा अधूरी है। शिक्षाविदों ने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है कि हमारा अतीत क्या रहा है बल्कि अहम बात यह है कि आज के दौर में शैक्षिक क्षेत्र में हम किस ओर अग्रसर है। ज्ञातव्य हो कि इस तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय राउण्डटेबल शैक्षिक सम्मेलन एड लीडर-2008 में इंग्लैंड, अमेरिका, शारजाह, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, अजरबेजान, यू0ए0ई0, कम्बोडिया, नेपाल एवं भारत के 17 प्रांतों से पधारे लगभग 250 से अधिक प्रख्यात शिक्षाविद्, प्रधानाचार्या, शिक्षक व शिक्षा जगत से जुड़े विद्वान वर्तमान शिक्षा की दशा व दशा पर गहन विचार मंथन कर रहे है साथ ही शिक्षा की नवीन प्रणालियों, छात्रों की समस्याओं उनके समाधान व पढ़ाने की नई प्रणालियों पर विस्तार से चर्चा कर रहे है।

روزنامہ آگ — اخبار آپ کا

URDU DAILY AAG LUCKNOW

मानवीय शिक्षा पर सम्मेलन में हुई चर्चा

लखनऊ (सं)। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय राउण्डटेबल शैक्षिक सम्मेलन 'एड लीडरशिप-2008' का तीसरा दिन बेहद दिलचस्प रहा। इस तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय राउण्डटेबल शैक्षिक सम्मेलन 'एड लीडरशिप-2008' में इंग्लैण्ड, अमेरिका, शारजाह, पाकिस्तान, उजबेकिस्तान, अजरबेजान, यूएई, कम्बोडिया, नेपाल एवं भारत के 17 प्रान्तों से पधारे लगभग 250 से अधिक प्रख्यात शिक्षाविद्, प्रधानाचार्य, शिक्षक व शिक्षा जगत से जुड़े विद्वान वर्तमान शिक्षा की दशा व दिशा पर गहन विचार मंथन कर रहे हैं। आज तीसरे दिन के प्रात: कालीन सत्र में प्रख्यात शिक्षाविद् डा. राबर्ट जे. साण्डर्स, अमेरिका,एन्डी हार्वे, इंग्लैण्ड, डी लोफस, ली येन फ्रेंच एवं सम्मेलन की संयोजिका डा. सुनीता गांधी ने शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यशाला में हैण्डस आफ मैथमेटिक्स इंटरएक्टिव टीचिंग, मेथड्सख समूह कार्य, छात्रों का व्यवहार, प्रत्येक बालक पर ध्यान देना, छात्रों में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना इत्यादि विषयों पर सारगर्भित चर्चा की।

स्वतंत्र भारत

'मानवीय शिक्षा बिना सभी शिक्षाएं अधूरी'

लखनऊ, 25 अक्टूबर (सं.)। सिटी मान्टेसरी कानपुर रोड आडिटोरियम में चल रहे तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय राउण्ड टेवल शैक्षिक सम्मेलन 'एड लीडर शिप 2008' के तीसरे दिन देश-विदेश से आये शिक्षाविदों की आम राय रही कि मानवीय शिक्षा के बिना सारी शिक्षा अधूरी है। आज तीसरे दिन का उद्‌घाटन आईएएस वीएन गर्ग ने करते हुए देश विदेश से पधारे शिक्षाविदों का आहवान करते हुए कहा है कि शिक्षा व शिक्षक ही विश्व का कल्याण कर सकते हैं अत: समय रहते पूरे मनोबल व उत्साह से मानवता की शिक्षा पर बल देते हुए छात्रों में प्रेम, शान्ति व एकता की शिक्षा फैलाएं। श्रीगर्ग ने इस अभूतपूर्व आयोजन के लिए सम्मेलन की संयोजिका डा. सुनीता गांधी की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि आपके अथक प्रयासों का ही परिणाम है कि विश्व के विभिन्न देशों के शिक्षाविद एक मंच पर उपस्थित होकर विश्व की शिक्षा व्यवस्था को एक नया आयाम देने को तत्पर हैं।

आज तीसरे दिन के प्रात:कालीन सत्र में प्रख्यात शिक्षाविद डा. राबर्ट जे. साण्डर्स, अमेश्रिका एन्डी हार्वे, इंग्लैण्ड, डी लोफस, ली येन फ्रेन्च एवं सम्मेलन की संयोजिका डा. सुनीता गांधी ने शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यशाला में हैण्डस ऑफ मैथमेटिक्स, इन्टरएक्टिव टीचिंग मेथड्स, समूह कार्य, छात्रों का व्यवहार, प्रत्येक बालक पर ध्यान देना, छात्रों में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना इत्यादि विषयों पर सारगर्भित चर्चा की।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

डेली न्यूज़

शब्द शब्द

ऐक्टिविस्ट

संघर्ष

वर्ष-2, अंक-11, लखनऊ, शुक्रवार, 24 अक्टूबर, 2008, पृष्ठ- 16+4, आमंत्रण

चार दिवसीय 'एड लीडरशिप-2008' का शुभारम्भ

पाठ्यक्रम में बदलाव की वकालत

एड लीडरशिप-2008 में पधारे देश-विदेश के प्रतिनिधि

ऐक्टिविस्ट संवाददाता
लखनऊ, 23 अक्टूबर

शिक्षकों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि आने वाली पीढ़ियों को कैसे उच्च आदर्शों से परिपूर्ण एक आदर्श नागरिक बनाएं? केवल भौतिक शिक्षा मनुष्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकती है। यह छात्रों को गलत राह पर ले जा सकती है। इसलिए छात्रों के पाठ्यक्रमों में नैतिक, चारित्रिक व आध्यात्मिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना आवश्यक हो गया है। ये विचार विश्व के अनेक देशों से पधारे उन शिक्षाविदों ने व्यक्त किए, जो शिक्षा को एक नई दिशा व दशा देने व वर्तमान शिक्षा के लक्ष्यों पर विचार-विमर्श हेतु सीएमएस कानपुर रोड ऑडिटोरियम में एक मंच पर एकजुट हुए हैं। पाकिस्तान, उजबेकिस्तान, अजरबेजान, यूएई, कम्बोडिया, नेपाल एवं भारत के 17 प्रांतों से लगभग 250 शिक्षाविद् सीएमएस के इनोवेशन विंग द्वारा 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित इंटरनेशनल एजुकेशन लीडरशिप 'एड लीडरशिप-2008' में प्रतिभाग लेने आए हैं।

इस मौके पर प्रेस कांफ्रेन्स में अपने विचार व्यक्त करते हुए अमेरिका के शिक्षाविद व काउन्सिल फॉर ग्लोबल एजूकेशन, यूएएस के सह-संस्थापक डॉ. राबर्ट सॉण्डर्स ने कहा कि आज शिक्षा में नवीनीकरण की बेहद आवश्यकता है। हमें उत्कृष्टता तो लानी ही है, साथ ही भविष्य में आने वाली समसस्याओं के समाधन अभी से सोचकर निकालने होंगे। साण्डर्स ने सुझाव दिया कि शिक्षा जगत में क्रांति के लिए विश्व भर के शिक्षाविद् का समय-समय पर एकजुट होकर विचार विमर्श करना एक अच्छा माध्यम साबित हो सकता है। इस अवसर पर सिटी इंटरनेशनल स्कूल की संस्थापिका सुनीता गांधी ने कहा कि एजुकेशन सम्मेलन का उद्देश्य बाल एंव युवा पीढ़ी को वर्ल्ड लीडर बनाना है।

प्रेस कांफ्रेन्स में उपस्थित सीएमएस के संस्थापक जगदीश गांधी ने कहा कि वर्तमान संदर्भ में सामाजिक विषमताओं से मुक्ति के लिए वसुधैय कुटुम्बकम के मूलमंत्र पर आधारित शिक्षा व्यवस्था को विश्वव्यापी बनाना अब अनिवार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि सीएमएस ने 50 वर्ष पूर्व अपनी स्थापना के समय से वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को जय जगत के ध्येय वाक्य के रूप में अपनाया है। उद्देश्यपूर्ण शिक्षा से मानव में जागरूकता पैदा होती है और वह संकीर्ण भेदभाव से ऊपर उठकर वह विश्वव्यापी सोच अपना लेता है। गांधी ने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन शिक्षकों, छात्रों व अभिभावकों के अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। सीएमएस के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि आज चार दिवसीय इस एड लीडरशिप-2008 का भव्य उद्घाटन हुआ। अगले तीन दिनों तक देश-विदेश से पधारे शिक्षाविद वर्तमान शिक्षा की दिशा व दशा पर गहन विचार-विमर्श करेंगे एवं शिक्षा के लक्ष्यों पर अपने सारगर्भित विचार प्रस्तुत करेंगे।

pioneer

Ed-Leadership-2008

The four-day International Educational Leadership Roundtable 'Ed Leadership-2008' is being organised by CMS Innovation department at the Kanpur Road branch of the school from October 23-26 in which around 250 educationists have assembled from Pakistan, Uzbekistan, Azerbaijan, UAE, Cambodia, Nepal and 17 states of India.

While addressing mediapersons, the educationists commended CMS for providing an international forum to educationists from different parts of the world to discuss their aims and objectives for the interest of global teaching. They said that the biggest challenge before the educationists was how to prepare a new generation of ideal citizens imbued with great human values.

स्वतंत्र भारत

शिक्षकों के सामने भावी पीढ़ी को आदर्श नागरिक बनाने की चुनौती

लखनऊ, 23 अक्टूबर (सं.)। शिक्षकों के सामने वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि आने वाले पीढ़ियों को कैसे उच्च आदर्शों से परिपूर्ण एक आदर्श नागरिक बनाएं। केवल भौतिक शिक्षा मनुष्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकती है और छात्रों को गलत राह पर ले जा कसती है।

यह विचार सीएमएस द्वारा आयोजित चार दिवसीय इण्टरनेशनल एण्ड लीडरशिप-2008 में विश्व के कई देशों से आये शिक्षाविदों ने व्यक्त किये। अमेरिका के शिक्षाविद व काउन्सिल फार ग्लोबल एजूकेशन, यूएसए के सह संस्थापक डा. राबर्ट सॉण्डर्स ने कहा कि आज शिक्षा में नवीनीकरण की बेहद आवश्यकता है। हमें उत्कृष्टता तो लानी ही है, साथ ही भविष्य में आने वाली समस्याओं के समाधान अभी से सोचकर निकालनें होंगे। श्री साण्डर्स ने सुझाव दिया कि शिक्षा जगत में क्रांति के लिए विश्व भर के शिक्षाविदों का समय-समय पर एकजुट होकर विचार-विमश करना एक अच्छा माध्यम साबित हो सकता है। सिटी इण्टरनेशनल स्कूल की संस्थापिका सुनीता गांधी ने कहा कि इस एजुकेशन सम्मेलन का उद्देश्य बाल एवं युवा पीढ़ी को वर्ल्ड लीडर बनाना है। उन्होंने कहा कि आज वह समय आ गया है जब शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम बनाकर विश्व की समस्याओं का समाधान करना है एवं इसके लिए विद्यालय ही भावी पीढ़ी को तैयार करेगा।

दैनिक जागरण

शुरू हुआ एड लीडरशिप-2008

लखनऊ 23 अक्टूबर (संसू) :सिटी मांटेसरी स्कूल कानपुर रोड शाखा में गुरुवार से चार दिवसीय इंटरनेशनल एड लीडरशिप 2008 का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम में देश विदेश से आए शिक्षाविद वर्तमान शिक्षा की दिशा व दशा पर गहन विचार विमर्श करेंगे।

अमर उजाला

'छात्रों के लिए नैतिक शिक्षा जरूरी'

लखनऊ। विशेषज्ञों का मानना है कि सिर्फ भौतिक शिक्षा छात्रों के लिए हानिकारक हो सकती है। छात्र गलत राह पर भटक सकते हैं, इसलिए छात्रों के पाठ्यक्रम में नैतिक, चारित्रिक व आध्यात्मिक शिक्षा को शामिल किया जाना अनिवार्य है।

सीएमएस के 'एड लीडरशिप-2008' कार्यक्रम में शामिल होने आए विशेषज्ञों ने यह राय गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में व्यक्त की। पाकिस्तान, उजबेकिस्तान, अजरबेजान, यूएई, कंबोडिया व नेपाल के साथ ही देश के विभिन्न प्रांतों से आए शिक्षाविदों ने कहा कि आज वर्तमान शिक्षा के लक्ष्यों पर विस्तार से चर्चा की जरूरत है। अमेरिका से आए डा.राबर्ट सांडर्स ने कहा कि शिक्षा में नवीनीकरण की बेहद जरूरत है। हमें उत्कृष्टता लानी होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि शिक्षा जगत में क्रांति के लिए विश्व के शिक्षाविदों को समय-समय पर एकजुट होकर विचार करना चाहिए। इस मौके पर विद्यालय के संस्थापक जगदीश गांधी ने भी अपने विचार रखे।

युनाइटेड भारत

लखनऊ, शुक्रवार 24 अक्टूबर 2008

नैतिक व आध्यात्मिक शिक्षा को अनिवार्य बनाने की जरूरत

सीएमएस में 'एड लीडर शिप' का शुभारम्भ

लखनऊ, २३ अक्टूबर। शिक्षकों सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि आने वाली पीढ़ियों को कैसे उच्च आदर्शों से परिपूर्ण एक-एक आदर्श नागरिक बनाएं? केवल भौतिक शिक्षा मनुष्य के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकती है और छात्रों को गलत राह पर ले जा सकती है। इसलिए छात्रों के पाठ्यक्रमों में नैतिक, चारित्रिक व आध्यात्मिक शिक्षा को अनिवार्य बनाना आवश्यक हो गया। विचार-विमर्श हेतु सीएमएस कानपुर रोड ऑडिटोरियम में एक मंच पर एक जुट है पाकिस्तान उजबेकिस्तान, यूएई कम्बोडिया, नेपाल एवं भारत १७ प्रान्तों से लगभग २५० शिक्षा विद् सिटी मोन्टेसरी स्कूल के इनोवेशन विंग द्वारा २३ से २६ अक्टूबर तक आयोजित चार दिवसीय इन्टरनेशनल एजुकेशन लीडरशिप 'एड लीडर शिप' में प्रतिभाग हेतु लखनऊ आयें हैं। देश-विदेश से पधारे ये प्रख्यात शिक्षाविद् आज यहां आयोजित एक प्रेस कान्फ्रेंस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। विचार करते हुए अमेरिका से आयें शिक्षाविद् व काउन्सिल कॉर ग्लोबल एजूकेशन, यूएसए के सह-संस्थापक डॉ. राबर्ट सोण्डर्स ने कहा कि आज शिक्षा में नवीनीकरण की बेहद आवश्यक है। हमें उत्कृष्टता तो लानी ही है, साथ ही भविष्य में आने वाली समस्याओं के समाधान अभी से सोचकर निकालने होंगे।